भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 173

उत्तर देने की तारीख 19 दिसंबर, 2022

सोमवार, 28 अग्रहायण,1944 (शक)

बेरोजगार युवाओं के कौशल का विकास

*173. श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया: श्री थोमस चाज़िकाडन:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा राजस्थान में जिला-वार और केरल के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास के लिए वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त योजनाओं से लाभान्वित होने वाले युवाओं की संख्या कितनी है तथा राजस्थान और केरल में रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या कितनी है;

(ग) क्या राजस्थान सरकार ने यह योजना लागू की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

बेरोजगार युवाओं के कौशल का विकास के संबंध में श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया और श्री थॉमस चाज़िका□न द्वारा □नांक 19.12.2022 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 173 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) की स्कीमें मांग आधारित हैं और इसलिए अधिकांशत: लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जाते हैं। हालाँकि, एमएसडीईकुशल भारत मिशन के अंतर्गत देश भर के युवाओं को प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) जैसी विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल-प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा, राज्य सरकारों और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा भी कौशल विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किए जाते हैं। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय की दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) और ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) की दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) और कपड़ा मंत्रालय की कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण स्कीम (समर्थ)शामिल हैं।

एमएसडीई की विभिन्न कौशल विकास स्कीमों जैसे पीएमकेवीवाई, जेएसएस, एनएपीएस और आईटीआई के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान राजस्थान और केरल में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या **अनुबंध-I**में संलग्न हैं।

एमएसडीई की स्कीमों में, पीएमकेवीवाई के तहत नियोजन की विशेष रूप से निगरानी की जाती है। पीएमकेवीवाई के तहत, पिछले तीन वर्षों के दौरान राजस्थान और केरल में नियोजित किए गए व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है:

राज्य	2019-20	2020-21	2021-22
	सूचित नियोजन	सूचित नियोजन	सूचित नियोजन
राजस्थान	34,135	17,189	14,328
केरल	8,263	1,213	3,094

पीएमकेवीवाई 2.0 (2016-20) पर तृतीय-पक्ष मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, यह पाया गया कि पीएमकेवीवाई प्रशिक्षित और प्रमाणित व्यक्तियों की औसत मासिक आय तुल्य

समूह की तुलना में 15% अधिक थी। इसके अलावा, 76% उम्मीदवारों ने स्वीकार किया कि प्रशिक्षण के बाद उनके पास रोजगार पाने का बेहतर अवसर हैं।

अन्य उक्त स्कीमों की तृतीय पक्ष मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, प्रशिक्षित उम्मीदवारों की नियुक्ति या आय में वृद्धि के मामले में सफलता मिली है। जहां तक जेएसएस स्कीम के लाभार्थियों के रोजगार का सवाल है, स्कीम की तृतीय पक्ष मूल्यांकन रिपोर्ट में पाया गया है कि जेएसएस में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव के रूप में, स्व और दिहाड़ी रोजगार और निजी जॉब संभव हो पाये हैं। स्कीम की उपयोगिता इस तथ्य से और स्पष्ट हो जाती है कि इसी रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि लाभार्थी प्रशिक्षुओं में से 77.05% ने व्यावसायिक बदलाव किए हैं।

आईटीआई स्नातकों के ट्रेसर अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट (कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में प्रकाशित) में उल्लेख किया गया है कि कुल आईटीआई उत्तीर्ण में से 63.5% को रोजगार मिला है (वेतन तथा स्व-रोजगार, जिनमें से 6.7% स्व-नियोजित हैं)।

अनुबंध-I

'बेरोजगार युवाओं के कौशल का विकास' के संबंध में 19.12.2022 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *173 के उत्तर के संदर्भ में

पीएमकेवीवाई

राज्य	2019-20	2020-21	2021-22
	प्रशिक्षित	प्रशिक्षित	प्रशिक्षित
राजस्थान	446,900	98,349	37,984
केरल	78,523	31,077	12,968

जेएसएस

राज्य	प्रशिक्षित जेएसएस लाभार्थियों की संख्या		
	2019-20	2020-21	2021-22
राजस्थान	9069	9493	12443
केरल	16247	13900	16148

एनएपीएस

राज्य	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या		
	2019-20	2020-21	2021-22
राजस्थान	5,270	4,393	9,303
केरल	5,799	5,030	8,875

आईटीआई

राज्य	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या		
	2019-20	2020-21	2021-22
राजस्थान	136139	101593	95295
केरल	35201	31632	35493

****